Page No.
Date

GUNJAN CHAWLA

HIN/18/04

कार्यालयी हिंदी

Date : / /
Page No.

प्र०1 संक्षेपण का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी विधि तथा भाषा पर प्रकाश डालिए।

उत्तर संक्षेपण शब्द अंग्रेजी के प्रेसी (Precis) शब्द का हिंदी पर्याय है। जब किसी बड़े पाठ, वृत्तांत, लेख, निबंध, शोध आदि में व्यक्त भावों को लगभग एक तिहाई भाग में, संक्षिप्त रूप से प्रस्तुत किया जाता है तब यह कला संक्षेपण कहलाती है। विस्तार को घटाकर संक्षिप्त करने को संक्षेपण कहा जाता है। संक्षेपण को संक्षिप्तकरण, संक्षिप्त लेखन, संक्षिप्त रूप, संक्षिप्तीकरण आदि नामों से भी जाना जाता है। संक्षेपण शब्द हिंदी में संस्कृत से आया है जिसका अर्थ है काट - छांट कर छोटा करना।

डॉ० भोलानाथ तिवारी ने संक्षेपण को परिभाषित करते हुए लिखा है - "(संक्षेपण) सार - लेखन का अर्थ है निर्दिष्ट अवतरण के कथ्य को संक्षेप में प्रस्तुत करना। सार में उस अवतरण का मुख्य

Scanned with CamScanner

Page No.
Date

तत्व यथासंभव कम से कम शब्दों में रखना चाहिए। आकार कम होने पर भी यह नहीं लगना चाहिए कि अवतरण की कोई महत्वपूर्ण बात छूट गई है।

कैलाशचन्द्र भाटिया के शब्दों में — "किसी विस्तृत लेख, आख्यान, विवरण, पत्र, सूचना आदि तथ्य को सरल, सुबोध, भाषा में इस प्रकार प्रस्तुत करना कि मूल पत्र अवतरण आदि की बात उसके तृतीयांश में समाहित हो जाए 'संक्षेपण' है।

अतः संक्षेपण कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक भाव व्यक्त करने की कला है। ऐसी कला जिसमे किसी विस्तृत विवरण में से अप्रासंगिक, असंबद्ध अनावश्यक बिंदुओं का त्याग करके सभी उपयोगी, अनिवार्य और मूल तथ्यों का क्रमबद्ध संकलन किया जाता है संक्षेपण कहलाती है। इसी सम्बन्ध में संक्षेपण की विधियां निम्न प्रकार से है :-

☆ <u>संक्षेपण की विधि</u> ⇒

Date: / /
Page No.

1. संक्षेपण के लिए मूल सामग्री को अत्यन्त सावधानी पूर्वक पढ़ लेना चाहिए। यदि एक बार पढ़ने से विषय पूरी तरह स्पष्ट न हो तो एकाधिक बार पढ़ना चाहिए। मूल विषय कि एकाधिक बार पढ़ने से मूल के महत्वपूर्ण तथ्यों, विचारों, बिंदुओं को रेखांकित कर लेना चाहिए ताकि केन्द्रिय भाव तक पहुंचा जा सके।

2. मूल पढ़ने के बाद विचार करना चाहिए कि भावार्थ क्या है अथवा मूल का प्रतिपाद्य या सार क्या है।

3. मूल के रेखांकित अंशों में से आवश्यक अंश चुन लिए जाएं। एवं उन्हें क्रमानुसार लिखा जाए तो अनावश्यक बिंदु स्वतः ही छूट जाते हैं।

4. यदि संक्षेपण के लिए शब्द सीमा न दे तो मूल अनुच्छेद के एक भाग को संक्षेपण में लिखना चाहिए। यदि कोई शब्द सीमा निर्धारित

Scanned with CamScanner

की गई है तो उतने शब्दों का ही संक्षेपण लिखना चाहिए।

5. संक्षेपण लिखने की प्रक्रिया में यह आवश्यक नहीं की वाक्यों का क्रम मूल के अनुरूप ही रखा जाए अथवा उन्हें मूल रूप से पूरी परिवर्तित कर दिया जाए। आवश्यकता इस बात की है कि मूल में निहित भाव को ग्रहण करते हुए उसे कम से कम शब्दों में कह दिया जाए। इस प्रकार करने से कभी - कभी संक्षेपण में मूल अनुच्छेद से भी अधिक कसावट और प्रभावशीलता आ जाती है।

6. संक्षेपण में अपनी ओर से कोई नया विचार जोड़ने का प्रयास नहीं करना चाहिए।

7. अनेक शब्दों के लिए अथवा वाक्यांशों के लिए एक ही शब्द प्रयोग करें।

Scanned with CamScanner

Date : / /
Page No.

8. केन्द्रीय विचार को व्यक्त करने वाले वाक्यों में शीर्षक निहित होता है। तात्पर्य समझ आने पर सर्वाधिक सटीक शीर्षक चुनना चाहिए। शीर्षक लघु होने के साथ - साथ सार्थक, आकर्षक, सटीक, प्रभावी, सार-गर्भित होना चाहिए। शीर्षक से अनुच्छेद के प्रतिपाद्य, सारांश का स्पष्ट परिचय मिलना चाहिए। कभी - कभी मूल अनुच्छेद में ही कोई ऐसा मूल वाक्य मिल जाता है। जो सार्थक शीर्षक बन सकता है।

9. संक्षेपण की प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत उसकी शब्द संख्या गिन लें। और मूल रचना में कही गई सभी बातों का उल्लेख इसमें हो पाया है या नहीं इसकी पुष्टि कर लें।

10. संक्षेपण की मूल रचना में न तो परिवर्तन करें और न ही उसकी आलोचना।

Scanned with CamScanner

Date: / /
Page No.

11. संक्षेपण में प्रस्तुत शैली और शब्द अपने होने चाहिए। वार्तालाप शैली का प्रयोग न करके वर्णनात्मक शैली का प्रयोग ही वांछनीय है।

12. संक्षेपण लिख लेने के बाद उसे फिर पढ़ लेना चाहिए। यदि उसमें तथ्यात्मक या भाषा संबंधी कोई त्रुटि रह गई हो तो उसका संशोधन कर लेना चाहिए।

★ संक्षेपण की भाषा

→ संक्षेपण की भाषा सरल, सुबोध होनी चाहिए।

→ संक्षेपण करते समय ध्यान रखना है कि भाषा व्याकरण संबंध होना चाहिए।

→ मुहावरों, कहावतों, अलंकारों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

→ संक्षेपण में अपनी तरफ से विचारों को जोड़ना नहीं चाहिए।

Scanned with CamScanner

Date: / /
Page No.

→ संक्षेपण की भाषा सरल होने के साथ - साथ मर्यादित होनी चाहिए

→ संक्षेपण में अनेकार्थक और भ्रमार्थक शब्दों के प्रयोग बचना चाहिए।

→ शब्दों को बार - बार दोहराना नहीं चाहिए।

→ मूल रचना की भाषा से यथासंभव बचते हुए अपनी भाषा का प्रयोग करना चाहिए।

→ संक्षेपण में अनावश्यक, महत्वहीन शब्दों, वाक्यांशों को हटा देना चाहिए।

→ संक्षेपण में तारतम्यता और क्रम-बद्धता का पूरा ध्यान रखना चाहिए।

निष्कर्ष ⇒ जब किसी लेख, निबंध आदि को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया जाता है। तो वह संक्षेपण कहलाता है।
संक्षेपण करते समय

Scanned with CamScanner

Date : / /
Page No.

सामग्री को पढ़ लेना, विचार करना एक ही शब्द का प्रयोग आदि विधियों का ध्यान रखना चाहिए।
संक्षेपण की भाषा सरल व सुबोध होना चाहिए।

Scanned with CamScanner